भोयर पंवार संघ का अल्प इतिहास

(सन १९१४ से १९८५ तक)

लेखक – पन्नालाल बिसेन, अधिवक्ता बालाघाट

सन १४२१ से १४२५ के बीच हुशंगशाह गोरी के आक्रमण के समय धार से नर्मदाघाटी पार कर सतपुडा के क्षेत्र में बैतुल (मुलताई), छिंदवाडा (सौंसर) तथा वर्धा (कारंजा) आदि क्षेत्रों में बसने वाली शाखा 'भोयर पंवार' कही जाती हैं। बीसवीं शताब्दी मे इसने अपना संगठन बनाया जिसका अल्प परिचय निम्न-लिखित है।

सर्व प्रथम सन १९१४ मे 'चिचोली बड' ग्राम मे श्री ढंढारे एवं श्री डोंगरे बन्धुओं ने समाज की सभा बुलाई। सन १९१४ मे ही जौलखेडा मे सभा हुई। सन १९१९ में श्री पांडुरंग देशमुख की अध्यक्षता में ग्राम मोरडोंगरी मे सभा ली गई। सन १९२१ मे बैतुल बाजार, सन १९२२ मे पंधराखेडी तथा सन १९२४ में धिधोरा मे सभा हुई। इसमें तय हुआ कि 'भोयर' लिखने के बदले 'भोयर पंवार' लिखा जाय। बाद मे सन १९३९ मे ग्राम खैरवानी की सभा मे तय हुआ कि अब केवल 'पंवार' शब्द ही लिखा जावे। सन १९४१ मे ग्राम सिवनी (त० सौंसर) में संगठन का नाम 'पंवार समाज सुधार समिति' से बदलकर 'मध्यप्रांत व विदर्भ क्षत्रिय पवार भोयर परिषद' रखा गया। इस अधिवेशन के अध्यक्ष श्री सूर्यभान धारपुरे उपाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पटेल खैरवानी तथा स्वागत ध्यक्ष श्री पूनाजी महाजन थे। इसी सभा में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि 'वैनगंगातटीय पंवार' तथा 'वर्धा तटीय पंवार' का एकीकरण किया जावे।

तत्पश्चात सन १९४८ मे धंतोली प्राथमिक शाला मे अधिवेशन हुआ तथा सन १९५६ में 'उमरानाला' में सभा हुई।

सन १९६१ मे अतरी (लालबर्रा) मे अ० भा० पं० क्ष० महासभा (वैनगंगा के पंवारों) का विशाल अधिवेशन हुआ जिसमे दोनो वर्गों को इतिहास की खोज करने का काम सौंपा गया ताकि एकीकरण की दिशा मिल सके।

सन १९६२ मे सतोना (त० गोंदिया) मे अ० भा० पं० क्ष० महासभा की स्वर्ण जयंती में भोयर पंवार के प्रतिनिधियों ने एकिकरण का प्रस्ताव लाया जिसमे श्री. चितामनराव गौतम आदि ने व्यवस्था दी कि पहलें भोयर समाज के खुले अधिवेशन में एकीकरण का प्रस्ताव पारित कर लिया जावे तथा फिर उक्त प्रस्ताव अ० भा० पं० क्ष० महासभा के अगले किसी अधिवेशन मे लाया जावे। फलस्वरुप ९ फरवरी १९६३ को ग्राम सिवनी (त० सौंसर) मे भोयर पंवार समाज का विशाल अधिवेशन हुआ जिसकी अध्यक्षता अ० भा० पं० क्ष० महासभा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री दामोदर टेंभरे ने की। इस खुलें अधिवेशन मे सर्वमतेन एकीकरण का प्रस्ताव पारित हुआ तथा इस प्रस्ताव पर मई १९६५ में मेंढा (त० तिरोडा) के अ० भा० पं० क्ष० महासभा के खुले अधिवेशन मे सर्वमतेन एकीकरण का प्रस्ताव पारित हुआ। तब से हम एक हैं।

कुछ स्थानीय संगठन :– दि, १६ नवम्बर १९६६ को ग्राम कारंजा (वर्धा) में 'भोयर पंवार विद्यार्थी मंडल नागपुर' का गठन हुआ जिसके अध्यक्ष श्री भरतसिंह कटरे तत्कालीन अध्यक्ष अ० भा० पं० क्ष० महासभा थे तथा उद्घाटन श्री भैयालाल पटले तत्कालीन उपाध्यक्ष जिला परिषद भंडारा ने किया था। इसके अतिरिक्त अन्य स्थानीय संगठन भी हैं।

पत्रकारिता :– अप्रेल १९८५ से खंडवा से श्री गोपीनाथ कालभोर 'भोज पत्रिका' नामक त्रैमासिक निकालते हैं। सितम्बर १९८५ से श्री भागवत बननगरे नागपुर से 'पंवार दर्पण' नामक त्रैमासिक प्रकाशित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त भोयर पंवार विद्यार्थी मंडल नागपुर ने 'स्मारिका' का प्रकाशन किया था।